गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

An E-book

PDF Format

Free Download

www.drajaygupta.com

डॉ. अजय गुप्ता

स्टेशन चौक दुर्ग

(छ.ग.) भारत

0788–3554085

मो.नं.9752050808,09893255030

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

लेखक एवं संपादक

डॉ. अजय गुप्ता

एक्स एचएमओ

सेक्टर–9 अस्पताल, भिलाई

चर्म व गुप्त रोग

पता :– लता कुंज मेडिकल काम्पलेक्स,

ओव्हर ब्रिज के सामने दुर्ग (छ.ग.)

फोन नं. : 0788–3554085

मो.नं.9752050808,09893255030

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

ई–बुक (हिन्दी)

निःशुल्क डाऊनलोड

प्रकाशक :–

डॉ. अजय गुप्ता, स्टेशन चौक, दुर्ग

(छत्तीसगढ़) भारत

प्रथम संस्करण

जून–2023 JUNE -2023

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

!! ओम नमो भगवते वासुदेवाय !!

समर्पित भगवान श्री कृष्ण के चरणों में
इस मंत्र का जाप करने से आपको
आंतरिक शक्ति प्राप्त होगी । इस मंत्र
का सवा लाख मंत्र जप करने से यह मंत्र
सिद्ध हो जाता है व नियमित रूप से
जाप करने से आपकी बहुत सारी
परेशानी दूर हो जाएगी

यह पुस्तक मैं अपने द्वितीय पुत्र का
एमबीबीएस में चयन होने पर भगवान को
धन्यवाद देने के लिए लिखा हूं ।

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

सभी अधिकार सुरक्षित

प्रत्येक लेखक की यह इच्छा होती है कि उसकी पुस्तक पाठक को कैसी लगी तथा पाठक अपने विचार व सुझाव, लेखक तक पहुंचाए ।

मैं यह स्वीकार करता हूं कि मैं कोई महान व्यक्ति नहीं हूं परंतु इस दुनिया के लिये कुछ अच्छा करना चाहता हूं । कृप्या मेरी यह पुस्तक आप अन्य साथियों तक ईलेक्ट्रॉनिक माध्यम जैसे व्हाट्स–अप,(Whatsapp) व फेसबुक, ई–मेल द्वारा पहुंचाने का कष्ट करें । वैसे तो इस पुस्तक को लिखने, टाईप करने व प्रकाशित करने में काफी सावधनी रखी गई है परंतु किसी भी त्रुटि के लिये लेखक, प्रकाशन, संपादक जिम्मेदार नहीं होंगे । एक बार फिर मैं इस पुस्तक के प्रकाशन से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद देता हूं ।

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

प्रस्तावना :–

अपरस नामक चर्मरोग को गॉव के लोग भली भांति जानते हैं । चिकित्सा विज्ञान की भाषा में सोरिएसिस कहते हैं । वैसे इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है केवल 5–6 प्रतिशत लोग ही ठीक होते हैं 90 प्रतिशत ठीक नहीं होते । क्या है यह बिमारी ? क्या सावधानी रखनी चाहिए ? दिखती कैसी है, इसे कैसे नियंत्रित करें ? यह सब जानने के लिऐ आइए हम इस ईबुक को पढ़े और जानें ......

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

क्र.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	सोरायसिस क्या है	08
2.	सोरायसिस के लक्षण	09
3.	सोरायसिस के प्रकार	10–15
4.	बिमारी की फोटो	16–27
5.	सोरायसिस के कारण	28
6.	सोरायसिस के इलाज	29–30
7.	सोरायसिस व एंटी कैंसर दवाईयां	31
8.	विशेष बातें	32–34
9.	अंत में	35

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

सोरायसिस क्या है ?

यह चमड़ी की एक विशेष प्रकार की बीमारी है जो तलवे व पंजों के अलावा पूरे शरीर में हो सकती है इस बीमारी में शरीर के विभिन्न भाग में लाल चमकीले दाग पड़ जाते हैं उस भाग की चमड़ी छोटे–छोटे छिलके रूप में निकलने लगती है व हल्की खुजली होती है । यह सभी पुरूष में समान रूप से होती है । यह 100 व्यक्तियों के पीछे1–3 व्यक्तियों को होती है । यह वंशानुगत होती है अर्थात पीढ़ी दर पीढ़ी हो सकती है । अगर माता–पिता में से एक को यह बीमारी हो तो बच्चे को होने का चॉस 8.1प्रतिशत व दोनों को हो तो 41 प्रतिशत ।

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

लक्षण :–

विभिन्न प्रकार के सोरिएसिस में सबसे ज्यादा यही पाया जाता है वैसे तो यह शरीर के किसी भी भाग में भी हो सकता है परंतु कोहनी, घुटने,सिर व कमर में सबसे ज्यादा होता है । इसमें शरीर के विभिन्न भाग में चांदी के समान चमकीले व चमड़ी की सतह से उभरे हुए धब्बे हो जाते हैं । जिसमें चमड़ी छोटे–छोटे छिलकों के रूप में निकलती है । इसमें मामूली खुजली होती है । हाथ और पैर के नाखूनों में छोटे–छोटे गढ्ढे हो जाते हैं जिसे नेलपिटिंग कहते हैं । सिर में रूसी के समान चमड़ी के छिलके निकलते हैं जिसमें खुजली होती है ।

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

प्रकार :–

वैसे तो यह कई प्रकार के होते हैं परंतु जो सबसे ज्यादा पाया जाता है उसे न्यूमूलर या प्लैक सोरिएसिस कहते हैं । सोरिएसिस निम्न प्रकार का होता है ।

1. न्यमूलर या प्लैक सोरिएसिस **(PLAQUE OR NUMMULAR)**
2. गटेट सोरिएसिस **(GUTTATE PSORIASIS)**
3. पामोप्लान्टर **(PLAMOPLANTER)**
4. इनवर्स या फ्लेक्सुरल **(INVERS OR FLEXURAL)**
5. फालिकुलर **(FOLLICULAR)**
6. पस्चुलर **(PUSTULAR)**
7. रूपाइड **(RUPOID)**
8. इरिथ्रोडरमिक **(ERYTHODERMIC)**
9. सोरिएटिक आर्थराइटिस **(PSORATIC ARTHRITIS)**

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

अ) न्युमुलर या प्लैक सोरिएसिस :–

विभिन्न प्रकार के सोरिएसिस में सबसे ज्यादा यही पाया जाता है । वैसे तो यह शरीर के किसी भी भाग में हो सकता है परंतु कोहनी, घुटने, सिर व कमर में सबसे ज्यादा होता है । इसमें शरीर के विभिन्न भाग में चांदी के समान चमकीले व चमड़ी की सतह से उभरे हुए धब्बे हो जाते हैं । जिसमें चमड़ी छोटे–छोटे छिलकों के रूप में निकलती है । इसमें मामूली खुजली होती है । हाथ और पैर के नाखूनों में छोटे छोटे गढ्ढे हो जाते हैं जिसे नेलपिटिंग कहते हैं । सिर में रूसी के समान चमड़ी के छिलके निकलते हैं जिसमें खुजली होती है ।

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

(ब) गटेट सोरिएसिस :–

गटेट का अर्थ होता है छोटे–छोट गोल–गोल उभार हो जाते हैं जिसमें छिलके निकलते हैं । इसकी खुजली होती है यह बच्चों व जवानों में ज्यादा होती है ।

(स) पामोप्लान्टर सोरिएसिस :–

इसमे हाथ और पैर की चमड़ी सूख जाती है या चमड़ी फट जाती है व छिलके के रूप में निकलती है, जिसमें खुजली व दर्द होता है यह खिलाड़ियों व मजदूरों में ज्यादा होती है ।

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

(द) फ्लेक्सुलर या इनवर्स :–

वह बगल, जांघ व कूल्हे के बीच की जगह यह होती है इसे सिबोरिक सोरिएसिस भी कहते हैं ।

(इ) फालिकुलर :–

इसमें बीमारी छोटे–छोटे दानों के आकार में होती है । बड़े व्यक्तियों की जांघ व बच्चों के पूरे शरीर में हो जाती है ।

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

(फ) पसचुलर :–

इसमें बीमारी हाथ व पैर में या शरीर के विभिन्न भाग में छोटी छोटी फुंसियों के रूप में होती है । जिसमें मवाद भरी होती है ।

(ज) रूपाइड :–

इसमें शरीरी में चमकीले भूरे व उभरे हुए बड़े–बड़े दानों के रूप में बीमारी होती है ।

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

(च) एक्सफोलिएटिव या इरिथ्रोडरमिक :–

इसमें पूरे शरीर में चमड़ी निकलने लगती है यह जानलेवा भी हो सकती है ।

(ज) सोरिएटिक आर्थराइटिस :–

यह बीमारी शरीर के जोड़ों में भी हो जाती है व इसमें तकलीफ गठिया, वात के समान होती है ।

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

Palmer Psoriasis
पालमर सोरायसिस

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

Psoriasis of Nails

नाखून का सोरायसिस

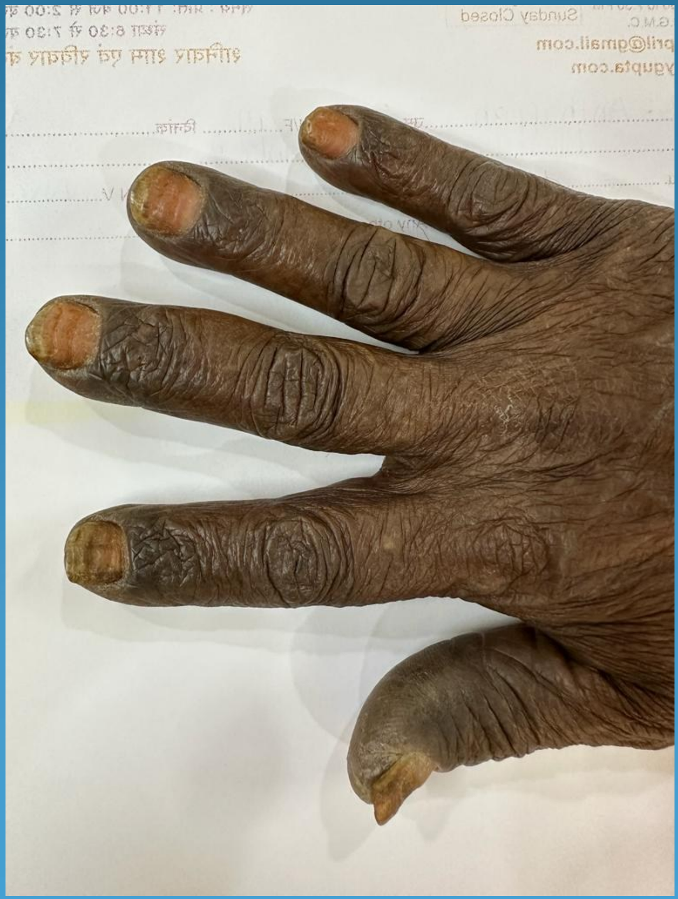

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

Psoriasis of back
पीठ का सोरायसिस

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

Psoriasis of leg
पैर का सोरायसिस

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

Psoriasis of scalp
सिर की चमड़ी का सोरायसिस

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

Psoriasis of scalp
सिर की चमड़ी का सोरायसिस

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

Palmer psoriasis
हथेली का सोरायसिस

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

Planter Psoriasis
पैर के तलवे में सोरिएसिस

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

Planter Psoriasis
पैर के तलवे में सोरिएसिस

गाँव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

Psoriasis of forearm
हाथों का सोरिएसिस

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

Psoriasis of Leg
पैर में सोरिएसिस

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

Psoriasis on Back

पीठ में सोरायसिस

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

सोरिएसिस होने के कारण :–

वैसे तो इसका कारण ठीक से ज्ञात नहीं है कि ये क्यों होता है परन्तु इस बीमारी में ग्रसित भाग की चमड़ी पांच छः दिन में बनने लगती है (जो सामान्य 28 दिन में बननी चाहिए) इसके कारण चमड़ी की परत एक के ऊपर एक लग जाती है । इसलिए चमड़ी छिलकों के रूप में निकलती है । यह बीमारी वंशानुगत भी होती है । कई बार यह दवाईयों के रिएक्शन के कारण भी होती है चोट या घाव, बीमारी, अंतःस्त्रावी ग्रंथियों की गड़बड़ी, मौसम में परिवर्तन व मानसिक तनाव से यह बीमारी बढ़ती है ।

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

इलाज :–

वैसे तो इस बीमारी का किसी भी प्रकार स इलाज पूरी तरह संभव नहीं है न एलोपैथिक में, न होम्यिोपैथिक में, न आयुर्वेदिक में, किसी भी प्रकार की दवाईयॉ लगातार पांच–छः महीने लेने पर यह बीमारी 1 से 2 साल के लिए दब जाती है परंतु पुनः होती है, जैसे शक्कर की बीमारी जिन्दगी भर पूरी तरह ठीक नहीं होती परन्तु इसे नियंत्रित रखा जा सकता है । पूरी तरह ठीक होने के संभावना केवल 5 से 10 प्रतिशत रहती है । इसमें सोरेलिन नाम गोली व मल्हम दिये जाते हैं । गोली खाने के दो घंटे बाद ग्रसित भाग में 15 से 30 मिनट धूप दिखाना चाहिए ।

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

इलाज :– मल्हम के तुरंत बाद 5 से 10 मिनट तक धूप दिखाना चाहिए मल्हम व गोली का उपयोग एक दिन के अन्तर में करना चाहिए । परंतु यह सब डॉक्टर की सलाह से करना चाहिए । कुछ दवाईयां गर्भवती महिलाओं को नहीं लेना चाहिए ।

वैसे ही यह बीमारी जिन्दगी भर पूरी तरह ठीक नहीं होती इसके अलावा कोलतार व स्टेरायड के मल्हम भी दिये जाते हैं व खाने के लिए विटामिन व जिंक की गोली दी जाती है । नीम का रस भी इस बीमारी में काफी उपयोगी होता है

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

सोरियसिस की बिमारी व एंटी कैंसर दवाईयां –

सोरियसिस के इलाज के लिए आज कल कैंसर के इलाज में उपयोग आने वाली दवाईयां भी दी जाती है परंतु इनके साइड इफेक्ट भी होते हैं । ये दवाईयां तभी दी जानी चाहिए जब बिमारी बहुत बढ़ गई हो । साथ ही बीच बीच में ब्लड व यूरिन टेस्ट कराते रहना चाहिए । ये वाद विवाद का विषय भी है कि जो बिमारी पूरी तरह ठीक नहीं होती उसके लिए इतनी तेज दवाईयां क्यों दें । ये दवाईयां गर्भवती महिलाओं व दूध पिलाने वाली महिलाओं को नहीं देना चाहिए । किडनी व लिवर व खून संबंधित बिमारी में भी इन एंटी कैंसर दवाईयों का उपयोग नहीं करना चाहिये ।

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

विशेष बातें :–

- यह छूत की बीमारी नहीं है मरीज के साथ बैठने, सोने व जूठा खा लेने पर भी ये बीमारी दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलती ।
- मरीज को मांसाहारी, शराब, नमक व मसालों का कम से कम उपयोग लाना चाहिए ।
- इस बीमारी में एक विशेषता यह रहती है कि शरीर के सामान्य भाग (जिसमें यह बीमारी नहीं है) में चोट लगने, खरोच लगने व खुजलाने पर उस स्थान पर बीमारी के नये दाग आ जाते हैं । इसीलिए सोरिएसिस के मरीज को इन सबसे बचाना चाहिये ।
- जिन व्यक्तियों का वजन ज्यादा होता है उन्हें वनज कम करने से बीमारी से लाभ होता है ।

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

विशेष बातें :—

- मानसिक तनाव से बचें ।
- किसी अन्य बीमारी घाव व चोट का इलाज तुरंत कराये अन्यथा यह बीमारी बढ़ सकती है ।
- सेरिएसिस के मरीज को मलेरिया की दवाई खाने पर एक्सफोलिएटिव डर्मेटाइटिस का खतरा रहता है ।

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

विशेष बातें :–

- सोरिएसिस के मरीज से शादी की जा सकती है ।
- आधे घंटे प्राणायाम करने से इस बीमारी में काफी लाभ होता है ।
- ज्वारे का रस पीने से भी इस बीमारी में काफी फायदा होता है ।
- सप्ताह में एक दिन उपवास करने से भी काफी फायदा होता है ।
- इस बीमारी का मुख्य इलाज है आपकी चमड़ी नर्म रहे इसलिए आप दिन में 2–3 बार तेल लगाएं । तेल लगाकर 15 मिनट धूप में बैठने से इस बीमारी में काफी फायदा होता है साथ ही साथ अन्य चर्म रोग होने की संभावना भी कम हो जाती है ।

गॉव में अपरस, शहर में सोरिएसिस

Dr. Ajay Gupta Durg (C.G.) INDIA

अंत मे......

सोरियसिस की बीमारी में मरीज को कोई विशेष तकलीफ नहीं होती परंतु ये दिखती खराब है इसलिए मरीज को बहुत खराब लगता है कि लोग क्या सोचेंगे जैसे डायबिटीज व ब्लडप्रेशर की बिमारी में सामने वाले को पता नहीं चलता कि उसे ये बिमारी है इसलिए इन बिमारियों से वह उतना परेशान नहीं होता मगर इस सोरियसिस की बिमारी में लोग उसे घृणा की दृष्टि से देखते हैं । जबकि ये छूत की बिमारी नहीं है इसलिए इस सोरियासिस की बिमारी के लिए जनजागरूकता ज्यादा जरूरी है हो सकता है आने वाले कुछ वर्षों में इसका इलाज हो जाए इसलिए इस बिमारी के लिए आप परेशान न हों और दवाई का नियमित रूप से सेवन करने से यह बिमारी नियंत्रण में रह सकती है । हो सके तो यह ई–बुक को आप अपने दोस्तों एवं रिश्तेदारों को भी भेजें व ये ई–बुक मेरी वेबसाइट www.drajaygupta.com में निःशुल्क उपलब्ध है ये अपने दोस्तों को बताएं ।

This document was created with the Win2PDF “Print to PDF” printer available at

https://www.win2pdf.com

This version of Win2PDF 10 is for evaluation and non-commercial use only.
Visit https://www.win2pdf.com/trial/ for a 30 day trial license.

This page will not be added after purchasing Win2PDF.

https://www.win2pdf.com/purchase/